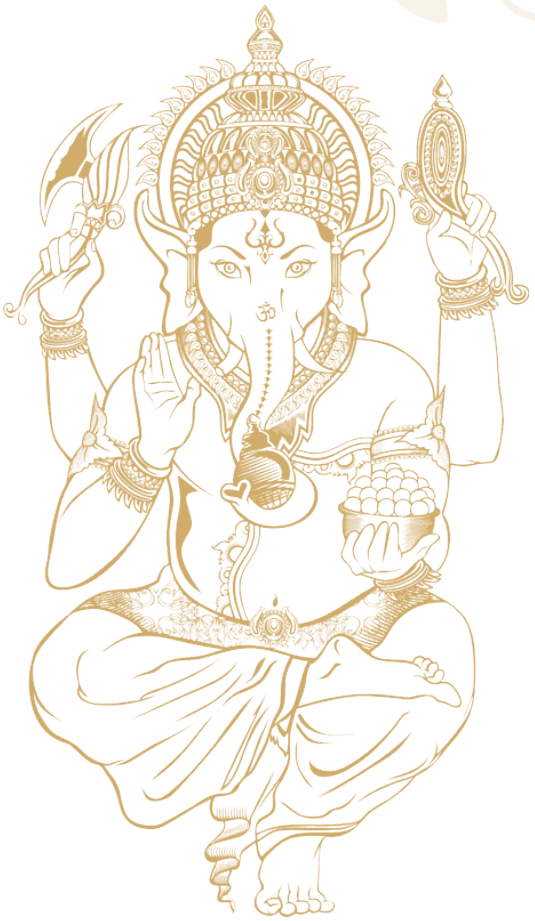

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/08/2000	जन्म तिथि	4-05/11/1999
शनिवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 18:55:00	जन्म समय	01:50:00 घंटे
घटी 33:00:48	जन्म समय(घटी)	48:18:17 घटी
India	देश	India
Aligarh	स्थान	Hathras
27:54:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:40	सूर्योदय	06:30:24
19:04:57	सूर्यास्त	17:32:20
23:51:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 5मा 15दि	17:55:57	मक	लग्न	सिंह	15:29:15	चन्द्र 9वर्ष 6मा 28दि
गुरु	19:33:24	कर्क	सूर्य	तुला	18:06:48	राहु
20/01/2021	01:59:04	तुला	चंद्र	कन्या	10:33:42	03/06/2016
20/01/2037	09:03:05	कर्क	मंगल	धनु	19:56:06	03/06/2034
गुरु 10/03/2023	03:14:10	कर्क	बुध	वृश्चि	07:52:13	राहु 14/02/2019
शनि 20/09/2025	12:48:08	वृष	गुरु व	मेष	04:28:22	गुरु 10/07/2021
बुध 27/12/2027	04:41:52	सिंह	शुक्र	कन्या	01:42:07	शनि 16/05/2024
केतु 02/12/2028	05:51:51	वृष	शनि व	मेष	19:59:21	बुध 03/12/2026
शुक्र 03/08/2031	00:37:14	कर्क व	राहु व	कर्क	14:26:09	केतु 22/12/2027
सूर्य 21/05/2032	00:37:14	मक व	केतु व	मक	14:26:09	शुक्र 21/12/2030
चन्द्र 20/09/2033	25:12:38	मक व	हर्ष	मक	19:04:46	सूर्य 15/11/2031
मंगल 27/08/2034	11:05:04	मक व	नेप	मक	07:52:11	चन्द्र 16/05/2033
राहु 20/01/2037	16:21:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:25:37	मंगल 03/06/2034

लग्न-चलित

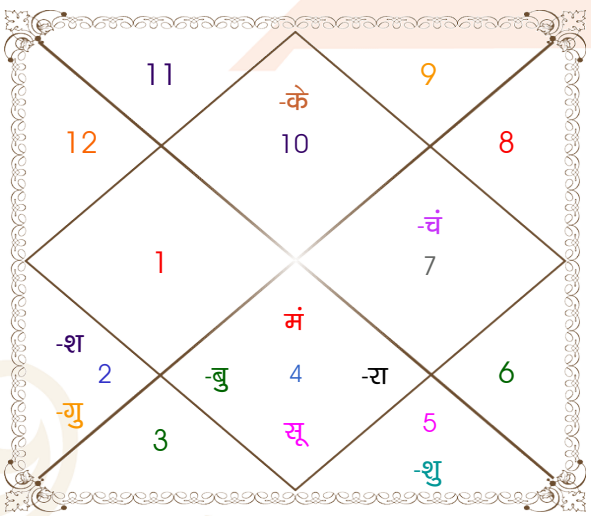

लग्न-चलित

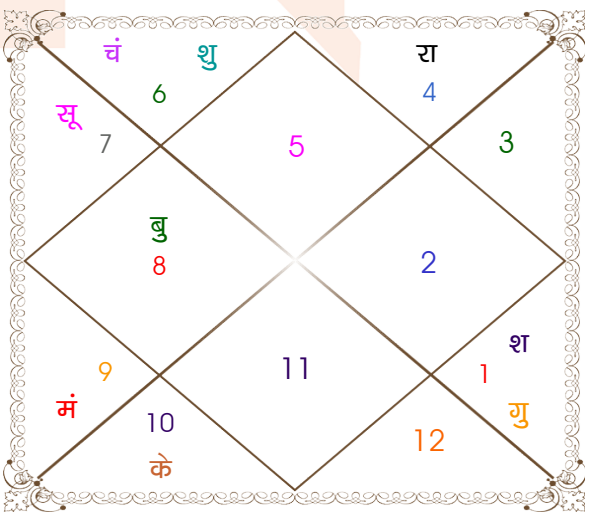

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन

हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।